(* (घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने निजी क्षेत्र को आकर्षित करने के लिए कतिपय सुविधाएं/प्रोत्साहन देने का निर्णय किया हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी.जी. वेकंटरामन) :(क) और (ख) यघपि, अभी हाल के वर्षो में सड़क परिवहन की मांग के बारे में कोई अध्ययन नहीं किया गया हें फिर भी ऐसी उम्मीद हैं कि आगामी वर्षो में 7% की नियत जी.डी.पी. वृद्वि के साथ सड़क परिवहन की मांग 12% से 14% होगी।

(ग) और (घ) सड़क परिवहन अवसंरचना और सड़क परिवहन की मांग में भारी अंतर को घ्यान में रखते हुए तथा वित्तीय समस्याओं के कारण सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गो में निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए आवश्यक विधायी ढांचा तैयार किया हैं। इसके अतिरिक्त , रा.रा. क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कर छूट, कर रियायत, आयात शुल्क में कमी आदि जैसी कतिपय सुविधाएं /प्रोत्साहन पहले ही प्रदान कर दी गई हैं।

जल मार्गो के रूप में बारहमासी नदियों का सर्वेक्षण

884. **श्री राम जेठमलानी** : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा बारहमासी नदियों की जल मार्गो के रूप में उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया गया हैं,

(ख) यदि हां, तो इन नदियों के नाम क्या-क्या हैं और जल मार्गे कितना लम्बा होने की संभावना हैं, और

(ग) क्या सरकार द्वारा नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में कुछ नदियों को विकसित जल मार्गो के रूप में उपयोग में लाने के लिए कोई परियोजनाएं बनाई गई हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

जल – भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी. जी. वेंकटरामन) : (क) और (ख) जी हां। ऐसी नदियों के नाम और उनकी लम्बाई नीचे दी गई हैं :-

i) गंगा –भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली: 1620 कि. मी.
ii) ब्रह्मपुत्र : 891 कि.मी.
iii) पश्चिम तटीय नहर : 205 कि.मी.
iv) सून्दरबन : 197 कि.मी.
v) गोदावरी : 25 कि.मी.
vi) कृष्णा : 192 कि.मी.
vii) महानदी : 418 कि.मी.
viii) नर्मदा : 640 कि.मी.
ix) गोवा में मेंडोदी, जुआरी नदी और कंबरजुआ नहर : 60 कि.मी.

(ग) नौंवी पंचवर्षीय योजना में 3 राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास और अन्य जलमार्गो की घोषणा/विकास की योजना हैं। इस योजना के लिए आई डब्ल्यू टी क्षेत्र हेतु अनतिंम परिव्यय 470.00 करोड़ रू. हैं। नौचालन हेतु तीन राष्ट्रीय जलमार्गो के उपयोग के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं में नौचालन मार्ग (फेयरवे) का विकास, टर्मिनलों, नौचालन उपकराणों का प्रावधान, क्राफ्टों की खरीद इत्यदि जैसे कार्य शामिल हैं।

Joint Venture Projects in Shipping

885. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal to set up joint venture projects in the field of' shipping;

(b) whether such projects are proposed to be set up in collaboration with Oman; and

(c) if so, the details of the plan and possibility explored to set up Indo-Oman joint venture in the field of shipping?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): (a) to (c) Yes, Sir. Avenues are being explored by Shipping Corporation of Inda (SCI), a Public Sector Undertaking, for setting up joint ventures in collaboration with foreign companies with a view to expand its operations. A techno-economic study was carried out by SCI to determine the feasibility of setting up a joint venture in collaboration with Oman. The study report has been sent to the Government of Omar: for its views. The details of the proposal can be finalised only after the views of the Government of Oman have